THE HERALD of Christian Science
informal translations from the publications of the Christian Science Publishing Society

हमारे पास स्वतन्त्रता की धरोहर है

परमेश्वर के कानूनों की एक याचना आनुवंशिकता की बेड़ियों को तोड़ती है।

We have a heritage of freedom

An appeal to God's Laws breaks the chain of heredity

Author – Olive Ratcliffe

Christian Science Sentinel Volume 114, No. 22, May 28, 2012

एक परिवार में एक नवजात शिशु कितनी खुशी ला सकता है! और आनन्द का हिस्सा, जब हम नए आगंतुक का स्वागत करने के लिए उसके इर्द–गिर्द इक्ट्ठे होते हैं, उसकी परिवारिक समानताएं ढूँढते हुए–यह बहुत स्वाभाविक होता है। ये विचार बहुत ही अबोध प्रतीत होते हैं। तथापि, हम सभी जानते हैं कि आनुवंशिकता में अपने पूर्वजों से नकारात्मक लक्षण शामिल होने की सम्भावना होती है। इन अप्रिय और दुखदायी लक्षणों के साथ जीना मुश्किल हो सकता है, दुर्बलताओं या बीमारियों को सम्मिलित करते हुए।

क्रिश्चियन साँयस इस युगों पुराने आनुवंशिता के विषय पर एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, परमेश्वर आत्मा की तरफ रचना के आधाार की तरह देखते हुए। हम बाइबल के साथ आरम्भ करते हैं, जो उत्पति के पहले अध्याय मे हमें बताती है: ‘‘ परमेश्वर ने मानव की अपने स्वंय के रूप में रचना की उसने उसकी रचना परमेश्वर के रूप मे की; उसने उन्हें पुरूष तथा स्त्री रचा और परमेश्वर ने वह सब कुछ देखा जो उसने बनाया था और देखो वह बहुत ही अच्छा था’’ (उत्पति 1:27, 31) 1

क्राइस्ट जीसस ने हमे सिखाया कि हम परमेश्वर के बच्चे है। उन्होंने कहा ‘‘पृथ्वी पर किसी को अपना पिता ना कहना, क्योंकि तुम्हारा एक ही पिता है जो स्वर्ग में है’’ (मत्ती 23:9)। और जीसस ने हमें दिखाया कि परमेश्वर तथा उसकी रचना का आध्यात्मिक दृष्टिकोण व्यवहारिक है। यह उनके पढ़ाने का और उपचार के कार्यों का आधार था। जैसे हम परमेश्वर और मानव के बारे में अपनी धारणा का आध्यात्मिकिकरण करते है; स्वास्थ्य और समन्वय पुर्नस्थापित हो जाते हैं। और हम जीसस के आश्वासन की परिपूर्णता को महसूस करते हैं, ‘‘मैं इसलिए आया कि वे जीवन को प्राप्त करें और यह कि वे उसे बहुतायत में प्राप्त करें’’ (यूहन्ना 10:10)।

हमारे परिवार ने एक ऐसा अनुभव किया जिसने प्रमाणित किया कि आनुवांशिक बीमारी एक झूठा मत है जिसे परमेश्वर और मानव की एक आध्यात्मिक समझ से बदला जा सकता है। हमारे पुत्रों में से एक के जन्म के तुरन्त बाद ही हमने ध्यान दिया कि जब वह सांस लेता था तब वह समय–समय पर घर्र–घर्र की आवाज करता था। मेरे पति ने कहा बच्चा बिल्कुल अपने अंकल की तरह आवाज निकालता था जो बचपन तथा जवानी में मेडिकल जाँच द्वारा निकाले गए दमे से पीड़ित रहे। मेरे परिवार की तरफ, मैंने अपने भाई को इन लक्षणों को भोगते हुए देखा, जो बाद मे जाँच के बाद दमा निकला। मैं जानती थी कि मेरी दादी को गम्भीर अवस्था का दमा था जब तक एक नवयुवती की तरह उनका क्रिश्चियन साँयस में उपचार

---

* जो शब्द बड़े अक्षरों में लिखे गये हैं वह परमेश्वर के समानार्थक शब्द हैं।

For this translation in English and other translations in [Hindi], please see http://translations.christianscience.com

Translation © 2013 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

और उन्होंनें कई वर्षों तक उस बीमारी से पूरी तरह मुक्त होकर जीवन व्यतीत किया। मेरे परदादा जी को भी दमा बताया गया था। यह सम्भावना कि हमारे बच्चे को यह बीमारी विरासत में मिली थी, बहुत वास्तविक प्रतीत होती थी।

क्रिश्चियन साँयस की एक विद्यार्थी होने के नाते मैंने अपनी और अपने परिवार के सदस्यों की प्रार्थना की शक्ति से स्वस्थ होने के अनेक प्रमाण देखे और अनुभव किये थे, इसलिए मेरे लिए यह बहुत स्वाभाविक था, इस समस्या के बारे मे अपने बेटे के लिए विशेष प्रार्थना करना शुरू करना। बाइबल कहती है परमेश्वर प्रेम है। मैंने और ज्यादा स्पष्टता से समझने के लिए प्रार्थना की कि परमेश्वर हमारे बच्चे का सच्चा माता और पिता है, और केवल प्रेम ही उसके चारों ओर है। मैने तर्क किया कि क्योंकि उसकी उत्पत्ति और स्त्रोत परमेश्वर था और वह परमेश्वर के प्रतिरूप में बना था, यह बच्चा केवल अच्छाई को प्रतिबिम्बित कर सकता था।

क्रिश्चियन साँयस सिखाती है कि सदैव प्रेम करने वाला परमेश्वर अपनी रचना का हर समय संचालन कर रहा है, और उसका कानून सर्वोच्च है। आनुवंशिक विज्ञान और आनुवंशिकता के भौतिक कानून परमेश्वर के कानून से झगडा नही कर सकते। वस्तुतः असल में वे कोई कानून हैं ही नही अपितु केवल इन्सानी मत हैं। मेरी बेकर ऐडी साँयस एण्ड हैल्थ में लिखती है: " आनुवंशिकता एक कानून नहीं है। बीमारी का दूरस्थ कारण या मत अपनी प्राथमिकता या वर्तमान के साथ बीते हुए नश्वर विचारों के सम्बन्ध के कारण खतरनाक नहीं होता। पूर्ववर्ती कारण और उत्तेजक कारण मानसिक हैं " (पृष्ठ 178)। आगे नीचे उसी पृष्ठ पर वह जारी रखती हैं "जिस अनुपात में हम क्रिश्चियन साँयस को समझते है हम आनुवंशिकता के मत से मुक्त होते हैं....."। इन पंद्याशो ने मुझे स्पष्ट किया कि मुझे यह विश्वास करने की जरूरत नही; बीमारी तथा बुराई परमेश्वर का अंश है, उसके द्वारा स्वीकृत या उसकी सम्पूर्ण रचना का कोई हिस्सा।

हम नियमित रूप से बच्चे के साथ मेरे पति के परिवार में जाते थे। उस समय हम अपने बेटे के बारे में बात नही करते थे, परन्तु बीमारी का विषय आता रहता था। विस्तारपूर्वक किस तरह बच्चे के अंकल बचपन में दमे से कष्ट पाते थे, ये अक्सर चर्चा की जाती थी। मुझे जागरूक होना था अपनी सोच को इस यकीन की ओर प्रलोभित होने से बचाने के लिए कि बीमारी वास्तविक थी और एक ऐसी शक्ति जो मेरे जीवन को प्रभावित कर सकती थी। मैं लगातार इस बातचीत को छोटा करने की कोशिश करती थी। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण, फिर भी, मैंने अपनी प्रार्थना में अधिक हठ किया कि परमेश्वर ही एकमात्र मन है और उसका प्रतिबिम्ब होने के नाते मैं केवल वही जान सकती थी जो वह हमारे बेटे के बारे में जानता था। मैंने सोच में और भी अधिक दृढ़ता से स्थापित करना शुरू किया कि हम परमेश्वर के आध्यात्मिक बच्चे हैं और हमारी विरासत में अनन्त अच्छाई और जीवन है न कि डर और बीमारी। मैं बीमारी से कम भयभीत होने लगी और परिवार में इसके बारे मे बातचीत बन्द हो गई।

हमारे बेटे के प्रारम्भिक वर्षों में, वह बहुत खुश और चुस्त लड़का था, परन्तु समय-समय पर सांस लेने में कष्ट होने की समस्या फिर दिखाई देने लगती थी। एक दिन जब वह लगभग चार साल का था, वह सांस लेने के लिए संघर्ष करते हुए खेल छोड़कर आया। मैंने उसको बांहो मे लिया और विनम्रता से प्रार्थना की। मैं जानने के लिए चेष्टा कर रही थी कि वह परमेश्वर का बच्चा था और यह कि, यह पीड़ा का नश्वर चित्र उसका हिस्सा नहीं था क्योंकि यह परमेश्वर की उसके लिए मृदु देखभाल का हिस्सा नहीं था। प्रेरितो के कार्यों से ये शब्द बहुत सांत्वनादायक थे : "क्योंकि हम उसी मे जीवित रहते हैं, और चलते है और उसी में हमारा अस्तित्व है... क्योंकि हम भी उसकी संतान हैं" (17:28)।

Translation © 2013 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

जब बच्चे ने झपकी ली, मैने एक क्रिश्चियन साँयस उपचारक को सहायता के लिए फोन किया। आराम करने के बाद, हमारा बेटा बेहतर था और बाहर खेलने गया। वास्तव में, वह अगले कुछ दिनों तक बेहतर था, परन्तु मैंने उपचारक को प्रतिदिन एक सप्ताह के लिए प्रार्थना जारी रखने के लिए कहा, एक और अटैक के अपने डर विजय पर प्राप्त करने में मेरी सहायता करने के लिए।

साँयस एण्ड हैल्थ का एक पँद्याश इस समय में लगातार मेरा एक साथी था : ''साँयस में, मानव आत्मा की संतान है। सुन्दर, अच्छा तथा शुद्व उसकी वंश परम्परा को संघटित करता है। नश्वरो की तरह उसकी उत्पत्ति क्रूर प्रवृति मे नहीं होती, न ही उसे ज्ञान तक पहुँचने से पहले भौतिक अवस्थाओ मे से निकलना पड़ता है। उसके अस्तित्व का मूलभूत तथा अंतिम स्त्रोत आत्मा है; परमेश्वर उनके पिता है तथा जीवन उसके अस्तित्व का कानून है'' (पृष्ठ 63)

क्योंकि परमेश्वर ही एकमात्र पिता है, रिश्तेदार अच्छा या बुरा,
कभी भी आगे स्थान्तरित नही कर सकते।

मैंने और अधिक स्पष्टता से देखा कि परमेश्वर के अलावा जीवन का कोई दूसरा स्त्रोत नही हैं, और परमेश्वर केवल अच्छाई को जानता है तथा अच्छा ही करता है। जैसे मैंने इस बच्चे की सम्पूर्णता का दावा किया, प्यारा विचार आया कि हर कोई आध्यात्मिक, सम्पूर्ण और अच्छा है। हम सभी परमेश्वर का रूप हैं। कोई भी इससे बाहर नही हैं। मैंने एकदम उन सभी रिश्तेदारों के बारे में सोचना शुरू किया जिन्होने दमे के साथ संघर्ष किया था और मैंने उन्हें परमेश्वर के प्यारे बच्चों की तरह देखना शुरू किया। मैंने हर एक के बारे में अलग–अलग सोचा कि परमेश्वर ने उन्हें कैसे प्रेम किया और हमेशा उनके साथ था, तब भी जब ऐसा दिखाई देता था जैसे कि वे बीमार थे। उनकी सच्ची पहचान आध्यात्मिक थी। और क्योंकि परमेश्वर उनका जीवन था, बीमारी एक भ्रम थी उसने उनके असली आत्मत्व को कभी नहीं छुआ।

मैंने विशेष तौर पर अपनी दादी के बारे मे सोचा जिनके बारे में मैं जानती थी कि बीमारी के कारण वह हाई स्कूल पास नही कर पाई। अपनी सोच में उस कहानी को उलटना शुरू किया और इसे आध्यात्मिक इतिहास के साथ बदलना शुरू किया जो कि मैं जानती थी परमेश्वर से था। परमेश्वर के विचार की तरह, वह हमेशा आध्यात्मिक थी, अपने दिव्य माता–पिता के साथ एकजुट, चाहे भौतिक इन्द्रियां कुछ भी कह रही थी। बीमारी उनके जीवन में कभी वास्तविक नहीं थी। क्राइस्ट हमेशा मौजूद था, उन पूर्वकालीन वर्षो मे भी उन्हें सम्पूर्ण वास्तविकता दिखाते हुए कि वास्तव मे वह कौन थी।

जैसे कि परमेश्वर एकमात्र पिता है, ये प्यारे रिश्तेदार कभी भी किसी और को अच्छा या बुरा, आगे स्थानातंरित नहीं कर सकते थे न ही वे किसी दूसरे से विषमता प्राप्त कर सकते थे। वे नश्वर रचियता या बीमारी संचारित करने वाले दूत नहीं थे। वे अपने बारे में कभी इस झूठ पर विश्वास नहीं कर सके, क्योंकि वे सत्य का प्रतिरूप हैं, सम्पूर्ण और स्वतन्त्र। मैंने यह भी देखा कि यह आध्यात्मिक समझ ही है जो इन्सानी चेतना में संरक्षक क्राइस्ट, सत्य की विद्यमानता है, हम सबको परमेश्वर के साथ हमारे पुत्रत्व के बारे मे बताते हुए। यह हमे हर प्रकार की त्रुटि से मुक्त करती है।

इस बोध के साथ, मेरा सारा डर चला गया। वास्तव मे, मैं समस्या के बारे मे पूरी तरह भूल गई। इसके कुछ देर बाद ही, हम एक उत्तरी राज्य में रहने चले गए जहाँ की जलवायु भारी वर्षा वाली थी। मेरा बेटा परिवार के दूसरे बच्चों के साथ बाहर हर प्रकार के मौसम में खेला, परन्तु उसे न तो कभी कोई अटैक हुआ न ही

Translation © 2013 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

दमे के लक्षण दिखाई दिए। यह ऐसा था जैसे कि डर, लक्षण या परिवार का इतिहास, कभी था ही नही। सच मे बाइबल का आश्वासन पूर्ण हुआ, "पहली बातें न तो याद की जाएगी, न ही मन में आएगी" (यशायाह 65:17)।

कुछ वर्षों के बाद, जूनियर हाई स्कूल में, यह लड़का दूसरे देश की टीम के साथ दौड़ा और अपने स्कूल के अंतिम वर्ष में वह हर एक दौड़ में अव्वल आया। यद्यपि वह हमेशा आगे होता था, उसके दौड़ने के तरीके में एक रफ्तार और ऊर्जा का अतिरिक्त जुनून सम्मिलित था जो कि अंतिम रेखा पर पंहुचने वाले आखिरी चरण में दिखाई देता था। एक दिन उसे एक रेस मे दौड़ते हुए देखकर, मुझे यह उपचार याद आया। मैंने इसके बारे मे कई वर्षों तक नहीं सोचा था। आभार के आँसुओं के साथ, मैंने परमेश्वर का धन्यवाद किया उसके इस अकथनीय तोहफे के लिए – उसके पुत्र क्राइस्ट जीसस के लिए, जिसने हमे दिखाया परमेश्वर को कैसे जाना जाता है, और श्रीमति ऐडी के लिए जिन्होंने हमारी पाठ्य पुस्तक साँयस एण्ड हैल्थ में स्पष्ट किया कि क्रिश्चियन उपचार वैज्ञानिक है और कोई भी इसे प्रमाणित कर सकता है जो इसे प्रयोग में लाता है।

शारीरिक उपचार ने हमारे बेटे के लिए सभी तरह के खेलों और बाहरी गतिविधियों से भरपूर जीवन का द्वार खोल दिया। तथापि इस अनुभव से प्राप्त वास्तविक और चिरस्थायी वसीयत, यह आध्यात्मिक सत्य है जो हमे दर्शाता है कि परमेश्वर के बच्चे होने के नाते, स्वतन्त्रता ही हमारी धरोहर है। इस धरोहर का दावा करना हमारा दिव्य अधिकार है, अपने लिए, नवजात बच्चों के लिए और सारी मानव जाति के लिए।

Translation © 2013 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.